कुछ और जन-कहावतें

भारत ज्ञान विज्ञान समिति

नव जनवाचन आंदोलन

इस किताब का प्रकाशन भारत ज्ञान विज्ञान समिति ने 'सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट' के सहयोग से किया है। इस आंदोलन का मकसद आम जनता में पठन-पाठन संस्कृति विकसित करना है।

कुछ और जन कहावतें तापोश चक्रवर्ती	***Kuchh Aur Jan Kahawaten*** **Taposh Chakravorty**
हिंदी अनुवाद के. बी. सिह	***Hindi Translation*** **K. B. Singh**
पुस्तकमाला संपादक तापोश चक्रवर्ती	***Series Editor*** **Taposh Chakravorty**
कॉपी संपादक कंचन शर्मा	***Copy Editor*** **Kanchan Sharma**
रेखांकन अंशुमान	***Illustration*** **Anshuman**
कवर एवं ग्राफिक्स जगमोहन	***Cover and Graphics*** **Jagmohan**
प्रथम संस्करण सितम्बर, 2007	***First Edition*** **Sepember, 2007**
सहयोग राशि 25 रुपये	***Contribution*** **Rs. 25**
मुद्रण सन शाइन ऑफसेट नई दिल्ली - 110 018	***Printing*** **Sun Shine Offset** **New Delhi - 110 018**

Publication and Distribution

Bharat Gyan Vigyan Samiti

Basement of Y.W.A. Hostel No. II, G-Block, Saket , New Delhi - 110 017

Phone : 011 - 26569943, Fax : 91 - 011 - 26569773

Email : bgvs_delhi@yahoo.co.in, bgvsdelhi@gmail.com

website: www. bgvs.org

BGVS SEPTEMBER 2007 2K 2500 NJVA 0059/2007

हम लेखकों के विचारों की स्वतंत्रता में विश्वास करते हैं, सहमति/असहमति अलग बात है।

कुछ और जन-कहावतें

संकलन
तापोश चक्रवर्ती

विषय सूची

1.	परिचय	4
2.	फ्रांसीसी	6
3.	जर्मन	11
4.	ब्रिटिश	15
5.	पुर्तगाली	20
6.	रूसी	23
7.	आइरिश	27
8.	डच	33
9.	पोलिश	37
10.	जापानी	39
11.	अमरीकी	42
12.	भारतीय	46
13.	उपसंहार	52

परिचय

हम सभी जानते हैं, कहावतें क्या हैं। बचपन से ही, बड़े होने के साथ-साथ ज़िंदगी के हर मोड़ पर हमें कहावतें मिलती रहती हैं। यह बात सभी देशों में और इतिहास में हर समय पाई जाती है। कहावतें क्यों बनी हैं? उनका काम क्या है? ये वास्तव में बहुत गहरे सवाल हैं।

कहावतों में 'कहावत' का सार देखें। कन्नड़ कहावत है; 'वेद गलत हो सकते हैं, कहावतें नही'। जर्मन कहावत है, 'देश की पहचान उसकी कहावतों के चरित्र से होती है' तथा यहूदी कहावत है 'कहावत एक सच्ची दुनिया है'। इन मामलों का अध्ययन करनेवाले सभी विद्वान सहमत हैं कि कहावतें मानवीय अनुभव का अंतिम, अवशिष्ट, एवं निचोड़ हैं। जब सभी विचारधाराओं, दर्शनों और मानवीय प्रयासों की जांच-परख हो जाती है और वास्तविक मानवीय अनुभव से उन पर फ़ैसला हो जाता है, तब जो बचता है वह हमारी कहावतों में शामिल होता है। इसलिए हमें कहावतों में दुख की अभिव्यक्तियां, आशाएं, सपने, व्यंग्यात्मक जवाब, कड़वे यथार्थ और जीवन के बोझ का सत्य दिखानेवाले अनेकानेक रंग दिखाई देते हैं। एक दूसरी कहावत बनाते हुए कहा जा सकता है कि कहावतें मानव के अस्तित्व का आइना है और ये महज़ आइना नहीं हैं।

कहावतों का दूसरा महत्वपूर्ण आयाम यह है कि लिखे शब्दों, छपाई, खुदे या रंगीन चित्रों या 'बर्न' सीडी / डीवीडी के विपरीत कहावतें मौखिक माध्यम में तैयार होती है और संग्रहीत की जाती हैं। इसी कारण कहावतें सबसे स्वतंत्र ज्ञान है, इंटरनेट से भी अधिक स्वतंत्र।

एक और महत्वपूर्ण बात है। एक कहावत के अनुसार, 'पैसों की फिक्र करो, रुपये अपनी चिंता खुद कर लेंगे।' जबकि दूसरी कहती है, 'पैसों की फ़िक्र करो, रुपये की फ़िक्र तुम्हारी विधवाओं के पति करेंगे। दो स्वर या तेवर नज़र आते हैं। एक बात कही जाती है, 'काम ही पूजा है', जबकि दूसरी के

अनुसार, 'कम वेतन पर काम करने से खाली बैठना अच्छा।' सभी भाषाओं की हज़ारों-हज़ारों कहावतों में तलाश करने पर पता चलता है कि लगभग हर कहावत का स्वर और चरित्र इन दो समूहों में से एक का होता है। एक समूह को 'अनुशासनवादी' और दूसरे को 'बागी' कहा जा सकता है।

थोड़ा विचार करने से साफ़ हो जाएगा कि यह मामला ऐसा ही होना चाहिए क्योंकि मानव इतिहास वर्ग संघर्षों के अलावा और किसी चीज़ का इतिहास नहीं है। कहावतों में भी यह किसी दूसरी तरह हो भी नहीं सकता। मानव इतिहास के दो मुख्य समूह सत्तारूढ़ वर्ग और मज़दूर वर्ग हैं और ये कहावतों के क्षेत्र में भी अभिव्यक्त होते हैं। इस संकलन में जनता की कहावतों को इकट्ठा रखने की कोशिश की गई है, शासक वर्ग की कहावतों को छोड़ दिया गया है– क्योंकि प्रचलित हर मीडिया में उनका बारंबार प्रचार हो ही रहा है।

यह जन-कहावतों की किताब है। ऐसे और भी बहुत से प्रयास हो सकते हैं और होने भी चाहिए। हालांकि ये कहावतें बहुत से देशों की हैं, पर इच्छा थी कि दक्षिण-पूर्व एशिया और दक्षिण अमेरिका को और अच्छी तरह शामिल किया जाता, पर ऐसा हो नहीं पाया। एक बात और। कुछ पाठकों को कहावतें आज के संदर्भ में शायद "पॉलिटिकली करेक्ट" न लगें, मगर यही बात कहावतों का सार है। कहावतें हर ज़माने की ज़ुबान से, शालीनताओं से, पॉलिटिकल दुरुस्ती से छनकर आई ऐतिहासिक समझ हैं। समाज बदलो, कहावतें भी बदल जाएंगी।

आख़िर में यह कहना चाहता हूं कि इस किताब को कैसे पढ़ा जाए? यह मुख्यत: मौखिक चीज़ों का एक लिखित रिकार्ड है। इसका कोई 'सर्वोत्तम' तरीका नहीं हो सकता, पर बेहतर हो कि एक बार में एक कहावत पढ़ी जाए। इनको अकेले या समूहों में पढ़ा जा सकता है और दिन भर इनपर सोचा और चर्चा की जा सकती है। इनको सवेरे, दिन का काम शुरू होने के पहले पढ़ा जा सकता है, ताकि दिन भर में इसे समझा और अनुभवों से जोड़ा जा सके। या इनको सोने के पहले अंतिम काम के तौर पर पढ़ा जा सकता है ताकि इनके अर्थ हमारे सपनों के साथ या नींद में घटनेवाली दूसरी घटनाओं के साथ घुल-मिल सकें।

फ्रांसीसी

ये कहावतें फ्रांस से हैं जो स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व की ज़मीन है। यह फ्रांसीसी क्रांति, नैपोलियन, शैम्पेन तथा अन्य मशहूर शराबों, सुगंधों और पेस्ट्रियों, फैशनों और दार्शनिकों, एफ़िल टावर और मीट्रिक प्रणाली, अवांगार्द साहित्य और सिनेमा, यूरोप की सांस्कृतिक राजधानी, फ्रेंच टोस्ट और फ्रेंच विंडो की ज़मीन है।

जोन ऑफ आर्क, देकार्त, रूसो, वोल्टेयर, नैपोलियन, लुई ब्रेल, पाश्चर, लूमियेर बंधु, बाल्ज़ाक, पियरे-डी-कार्डिन और प्लेटिनी आदि कुछ प्रमुख फ्रांसीसी हैं।

1. हर आदमी सोचता है, उसका अपना बोझ भारी है।
2. हर चीज़ गुज़र जाती है, हर चीज़ कमज़ोर हो जाती है, हर चीज़ टूट जाती है।
3. पिता, प्रकृति से मिला बैंकर।
4. जो पूछता नहीं, उसे लेनदेन में कुछ हासिल नहीं।
5. काश जवानी में ज्ञान होता, बुढ़ापे में ताकत।
6. प्यार में समय गुज़रता है, समय बीतने पर प्यार गुज़रता है।
7. किस्मत मिलती है; अक्सर उस सड़क पर, जिसे आदमी किस्मत से बचने के लिए चुनता है।
8. प्रार्थना करना, खूब प्रार्थना; मगर भगवान से मत कहना तुम क्या चाहते हो।
9. पास में पैसा, सब कुछ चंगा।

10. चोर को पकड़ने के लिए चोर रखो।
11. हर महान आदमी में थोड़ा पागलपन।
12. स्पष्ट विवेक से मुलायम कोई तकिया नहीं।
13. अच्छा दिन रहा, कहने से पहले रात तक प्रतीक्षा करो।
14. चीज़ की कीमत, खो देने के बाद पता चलती है।
15. जिसे झेलना मुश्किल, उसे याद करना मज़ेदार।
16. प्यारी चीज़ न मिले तो उसे प्यार करें जो मिला।
17. सच जूते पहनता रह जाता है, झूठ दुनिया का चक्कर लगा आता है।
18. सिंहासन, बस मखमल चढ़ी कुर्सी।
19. बूढ़ा चूहा, बहादुर चूहा।
20. दोस्ती टूट जाती है, अक्सर मिलने पर या कम मिलने पर।
21. जो फांसी चढ़ने के लिए पैदा हुआ, कभी डूबेगा नहीं।
22. दौड़ना काफ़ी नहीं, शुरुआत समय पर होनी चाहिए।
23. दरवाज़े पर एक भिखारी काफ़ी है।
24. अमीरी, अमीर के पीछे और गरीबी, गरीब के पीछे भागती है।
25. समुद्र की प्यास असाधारण और भूख अमिट है।
26. गरीब बने रहने का सर्वाधिक सुनिश्चित तरीका, ईमानदार बने रहना।
27. बूढ़े डाक्टरों से बूढ़े शराबी ज़्यादा होते हैं।
28. जुए के दो ज़बर्दस्त मज़े, जीतना और हारना।
29. विदा होने का अर्थ, थोड़ा मर जाना।
30. जहां संगीत है, वहां प्यार हो सकता है।
31. बिना जुबान के दिमाग लगभग बेकार।
32. दरबार में; न कोई भावना होनी चाहिए, न कोई इज़्ज़त।
33. लालची औरत को चाहिए, धोखेबाज़ आशिक।

34. गाय अपनी पूंछ की कीमत नहीं जानती, जब तक वह कट न जाए।
35. कायर का डर उसे बहादुर बना सकता है।
36. बहरा पति और अंधी पत्नी, सदा सुखी जोड़ा।
37. दरवाज़ा, या तो खुला हो या बंद।
38. सुंदर लड़की और फटा गाउन, हमेशा सहारा ढूंढ लेते हैं।
39. बेवकूफ़ हमेशा शुरुआत करता रहता है।
40. थोड़ी सी जाग से ढेर सारी दही।
41. बेवकूफ़ का सिर कभी सफ़ेद नहीं होता।
42. थोड़ी सी बरसात, भारी आंधी को रोक देती है।
43. सोलह साल का नौजवान, साठ साल में बच्चा होगा।
44. जो अपना वकील खुद है, अपने मुवक्किल के लिए मूर्ख होगा।
45. दो घड़ियों वाले आदमी का कुछ तय नहीं।
46. मांटगुमरी डिवीज़न; सब एक तरफ़, दूसरी ओर कोई नहीं।
47. पीठ के बल गिरकर नाक तोड़नेवाला आदमी अभागा।
48. घंटियां चर्च आने के लिए बुलाती हैं, पर खुद भीतर नहीं जातीं।
49. मूर्ख होने से कायर होना बेहतर।
50. बूढ़े की प्रेमिका होना जवान की गुलाम से बेहतर।
51. सारी दुनिया के साथ पागल बनकर रहना बुद्धिमान बनकर अकेले रहने से बेहतर।
52. मुर्गी के आगे और सांड के पीछे चलना बेहतर।
53. वादा करने और देने के बीच आदमी को अपनी बेटी की शादी कर देनी चाहिए।
54. मोमबत्ती के उजाले में बकरी भी सुंदर महिला लगती है।
55. लिखने से, हम लिखना सीखते हैं।
56. कहो कि तुम्हारे बहुत दोस्त हैं, विश्वास करो कि बहुत कम हैं।

57. मूर्खों को सिर्फ़ भगवान समझता है।
58. ईश्वर सबसे मज़बूत बटालियनों के साथ होता है।
59. अच्छे सौदे, बर्बाद करनेवाले।
60. महान विद्वान, सबसे चालाक आदमी नहीं।
61. घर साफ़ रखनेवाले को, पादरी या कबूतर नहीं आने देने चाहिए।
62. अपने पेशे के बारे में अच्छा न बोलनेवाला उसे समझता नहीं।
63. जो चुनता है, उसे सबसे खराब मिलता है।
64. किसी चीज़ की निंदा करनेवाला, उसे खरीदनेवाला है।
65. जिसने पी है, वह और पिएगा।
66. जो किवाड़ों पर सुनता है, ज़रूरत से ज़्यादा सुनेगा।
67. जो अपना संतुलन खो देता है, गलती पर है।
68. पेरिस से कभी न हिलनेवाला, पोप नहीं बनेगा।
69. सर्वाधिक सुंदरियां, गहरा प्रेम नहीं पैदा करतीं।
70. कुछ नहीं, बस एक औरत डूब रही है।
71. केवल खाली आदमियों को हर चीज़ के लिए समय मिल जाता है।
72. केवल पहली बोतल मंहगी होती है।
73. आंखों और धर्म से मज़ाक मत करो।
74. राजाओं के हाथ लंबे होते हैं।
75. अपनी कमीज़ को भी अपनी सोच न पता चलने दो।
76. ज़िंदगी क्या है, पता होने से पहले आधी ज़िंदगी खर्च हो जाती है।
77. एहसान से जल्दी कुछ पुराना नहीं पड़ता।
78. पुराना प्यार और पुरानी लकड़ियां सभी मौसमों में जलते हैं।
79. एक बुरा जनरल दो अच्छों से बेहतर।
80. प्यार और आग की आदत पड़ जाती है।

81. प्यार पर जीत, सिर्फ़ भागने से।
82. दूसरा धक्का, भड़का देता है।
83. जनता का मौन, राजा को चेतावनी।
84. महिला की पहली सलाह मानो, दूसरी नहीं।
85. जिस दिन हंसे नहीं, वह दिन बर्बाद।
86. बहस शुरू, अहसास ख़त्म।
87. यूनानी से यूनानी का मिलना, लड़ाई की शुरुआत।
88. फ्रांसीसी सोते हैं तो शैतान उनको थपथपाता है।
89. जो जाता और लौटता है, यात्रा उसकी है।

जर्मन

ये कहावतें रूह घाटी के घने जंगलों वाले देश की हैं। बवेरिया के विशाल उपजाऊ खेत तथा पनीर, हैम और बियर से भरी ज़मीन में मार्टिन लूथर, गेटे, मोजार्ट, गुटेनबर्ग, केपलर, मार्क्स, एंगेल्स, आइंस्टीन, प्लैंक, हाइन और हेज़ेनबर्ग जैसे गंभीर, खोजी, उद्योगी और बुद्धिमान लोग रहे हैं। इस ज़मीन ने हमें हैम्बर्गर, स्वास्तिक झंडा और स्किनहेड, नाज़ी पार्टी, लड़ाकू टैंक, कैमरा, पनडुब्बी, राकेट इंजन, प्लास्टिक और बुलेट प्रूफ़ जैकेटें दी हैं।

1. आंखों को अपने ऊपर विश्वास, कानों को दूसरों पर।
2. राजा को चाहिए सुनना और बहरे बन जाना, देखना और अंधा बन जाना।
3. कमज़ोर समझौता, तगड़े मुकदमे से बेहतर।
4. पड़ोसी को प्यार करो, पर बीच की दीवार न तोड़ो।
5. बिना मांगे सलाह मत दो।
6. कोई अगर कुछ अच्छा नहीं करता, वह काफ़ी बुरा करता है।
7. बदलाव और बेहतरी के लिए बदलाव; दो अलग चीज़ें।
8. प्यार है, तो दर्द है।
9. बुद्धिमान आदमी के कान बड़े और ज़बान छोटी।
10. बुरे काम के लिए बहुत से शब्दों की जरूरत।
11. देश का फ़ैसला उसकी कहावतों के चरित्र से होता है।
12. जर्मनी में गधा, रोम में प्रोफ़ेसर।

13. सीढ़ी पकड़नेवाला, चोर जितना बुरा।
14. अमेरिका में आधा घंटा माने चालीस मिनट।
15. भिखारी को घोड़े पर बैठाओ, वह शैतान को भी मात कर देगा।
16. ख़ामोश कुत्ता पहले काटता है।
17. सोचो बुद्धिमान के साथ, चलो जनता के साथ।
18. बपतिस्मा प्राप्त यहूदी, खतना किया ईसाई।
19. बाप दस बच्चे पाले बेहतर है, न कि दस बच्चे पालें एक बाप।
20. बाड़ की ज़िंदगी तीन साल, कुत्ते की ज़िंदगी तीन बाड़, घोड़े की ज़िंदगी तीन कुत्ते, आदमी की ज़िंदगी तीन घोड़े।
21. वकील और गाड़ी के पहिए में तेल की ज़रूरत।
22. भारी गाड़ी चरमराती, खाली खड़खड़ाती।
23. आदमी का चरित्र तब पता चलता है कि वह किस पर हंसता है।
24. कहावत झूठ नहीं बोलती, सिर्फ़ उसका अर्थ धोखा देता है।
25. महिला का काम कभी ख़त्म नहीं होता।
26. बाहर हमारी सौ आंखें होती हैं, घर पर एक भी नहीं।
27. पैदा हुए, मरना शुरू।
28. लड़ाई से दूर, सभी सिपाही।
29. न्यायपूर्ण युद्ध से अन्यायपूर्ण शांति अच्छी।
30. हंसते मेज़बान और रोते पुजारी से सावधान।
31. चोरी करने से ज़्यादा सम्मानजनक है धोखा देना।
32. ईसाइयों का पड़ोसी, कोई नहीं।
33. युद्ध के सलाहकार खुद कभी लड़ते नहीं।
34. पुजारियों से या तो लड़ो नहीं, या फिर पीटकर मार डालो।
35. हर आदमी सोचता है कि सारी घंटियां उसी के विचारों को कह रही हैं।
36. मुर्गी मोटी, अंडे कम।

37. किस्मत और औरतें, बेवकूफ़ों पर मेहरबान।
38. बीता सो बीता, यहूदी उस पर कर्ज नहीं देगा।
39. महान लोगों के दुर्गुण भी पवित्र।
40. यहूदी को धोखा देनेवाला, यहूदी ही होगा।
41. छोटी चीज़ों को महत्व देनेवाला, महान चीज़ों के लायक है।
42. जो बच्चे की नाक पोंछता है, मां के गाल चूमने की इच्छा रखता है।
43. राजकुमार सेब चाहता है तो नौकर पेड़ ले आते हैं।
44. अगर नर्क होगा, उस पर रोम बना होगा।
45. आग चाहते हो तो उसे राख में खोजो।
46. सुख और दुख, नज़दीकी पड़ोसी।
47. एक सा ख़ून, एक से साधन, एक सी उम्र; बढ़िया शादी।
48. प्यार, चोर और डर, भूतों को जन्म देते हैं।
49. जेब में पैसा, उदासी दूर।
50. अगर धोखा देना संभव हो तो दुश्मन से लड़ो मत।
51. नए चर्च और नई सराय, बिरले ही खाली रहते हैं।
52. नए कानून, नई बदमाशियां।
53. नए गीत, उत्सुकता से गाए जाते हैं।
54. कोई औरत भगवान के लिए, बूढ़े से शादी नहीं करती।
55. आम और ख़ास के ख़ून का रंग एक।
56. एक पादरी को चोट पहुंची, रोम तक फड़फड़ाए सभी पादरियों के चोगे।
57. बिना वेतन वाले दफ़्तर पैदा करते हैं, चोर।
58. पुराने गिरिजाघरों में, काली खिड़कियां।
59. बूढ़ों को सबसे अच्छा दिखता है, दूरी पर।
60. गरीबों की दाढ़ियां, नौसिखिए नाइयों का प्रशिक्षण स्थल।

61. एक कायर, दस कायर पैदा करता है।
62. एक ने कील ठोंकी, दूसरे ने उसपर अपनी टोपी टांगी।
63. तीर्थयात्री वापिस घर साधू बनकर नहीं आते।
64. गोलियां निगली जानी चाहिए, चबाई नहीं।
65. गरीबी, होशियार होती है, वह लोमड़ी भी पकड़ लेती है।
66. पादरी पहले ख़ुद को आशीर्वाद देते हैं।
67. राजाओं के हाथ लंबे और कान बहुत सारे होते हैं।
68. बदला, मीठा होता है।
69. अमीरों का घर, सब जगह।
70. रूसी को खुरचो, भीतर निकलेगा तातार।
71. रेशम और मख़मल, रसोई का चूल्हा बुझा देते हैं।
72. एक झूठ बोलो, तुम सच सुनोगे।
73. शैतान, बारीकियों में रहता है।
74. पोप; किसानों को खाता, सज्जनों को निगल जाता और पादरी हगता।
75. बहुत दूर से आने वाले, झूठ बोल सकते हैं।
76. समय, सब कुछ ढकता और खोलता है।
77. अमीर होने पर, आदमी बचत शुरू करता है।
78. बूढ़ा होकर ही डेविड ने पवित्र भजन गाना शुरू किया।
79. जहां सबसे अच्छे अंगूरों की पैदावार, वहां शराब बनाने में सबसे खराब अंगूरों का इस्तेमाल।
80. जिसने काम को ईजाद किया, उसके पास कोई काम नहीं रहा होगा।
81. यदि तुम उनके साथ खेलो, तो बच्चों के साथ कुछ भी कर सकते हो।

ब्रिटिश

ये कहावतें उस 'फिरंगी' ज़मीन की हैं जिसने अमेरिका, आस्ट्रेलिया, अधिकांश अरब, चीन और दूसरे देशों की तरह भारत को जीता। पुराना अंग्रेज़ी साम्राज्य इतना बड़ा था कि उसमें सूरज कभी नहीं डूबता था। यह बिग बेन, मुड़ने वाले लंदन पुल, ड्राट बियर, टॉप हैट, हैकनी केब की ज़मीन है। यह राबिनहुड, शेक्सपियर, न्यूटन, रानी विक्टोरिया, ईस्ट इंडिया कंपनी, बीबीसी, फुटबाल उपद्रवियों, आक्सफोर्ड और कैम्ब्रिज विश्वविद्यालयों और चाय कंपनियों की ज़मीन है। ब्रिटिश लोगों ने भाप का इंजन, कताई मशीनें, औद्योगिक क्रांति, संसद, रेलवे, टीकाकरण, एडम स्मिथ, डार्विन, चॉसर, वर्ड्सवर्थ, डिकेंस, स्विफ़्ट, वाइल्ड, ग्रीन और हिचकॉक जैसी चीज़ें मानवता को दी हैं।

1. सलाह सबसे कम तब सुनी जाती है जब उसकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत होती है।
2. खुश रह कर जियो, मरने के बाद बहुत समय होता है।
3. एक किताब वाले आदमी से सावधान।
4. ख़तरा और मज़ा, एक ही डाल पर उगते हैं।
5. जिसे खोल नहीं सकते, उसे बांधने में जल्दी न करो।
6. अपने छुरी-कांटे से अपनी ही कब्र मत खोदो।
7. धकेले जाने से पहले मत गिरो।
8. हर रास्ते में उसका अपना कीचड़।
9. पहले लायक बनो, तब इच्छा करो।

10. पूरा भरा प्याला, धीरे-धीरे ले जाना चाहिए।
11. अपनी बातें बेहिचक बतानेवाला, नापसंद बातें सुनेगा।
12. जो तर्क का प्रयोग न कर सके, उसे प्रेरणा का प्रयोग करने दो।
13. अपनी रोटी-दाल से मत लड़ो।
14. खाना लगाया और झगड़ा खत्म।
15. तीन से बचना अजनबी कुत्ता, बाढ़ और खुद को बुद्धिमान मानने वाला आदमी।
16. नाज़ुक शब्दों और कठोर तर्कों का प्रयोग करो।
17. जो किसी भी समय किया जा सकता है, कभी नहीं किया जाता।
18. भूखा आदमी, गुस्सा आदमी।
19. गरीब सुंदरी को पति से ज़्यादा प्रेमी मिलते हैं।
20. चम्मच नहीं जानता खाने का ज़ायका, पढ़ा-लिखा बेवकूफ़ नहीं जानता समझदारी का स्वाद।
21. बच्चे, गरीब का धन हैं।
22. छोटे बच्चे मां को चूसते हैं, बड़े होने पर बाप को।
23. मौत, हमेशा बहुत जल्दी आती है या बहुत देर में।
24. मौत, सारे कर्ज़ अदा कर देती है।
25. शैतान को उसका हिस्सा दो।
26. भगवान, अमीर की मदद करता है; गरीब को भीख मांगने दो।
27. सफ़ेद बाल, मौत के फूल।
28. जो अपने लिए बुद्धिमान नहीं, वास्तव में बुद्धिमान नहीं।
29. परेशानी ढूंढनेवाला, परेशानी हमेशा पा लेता है।
30. शैतान के साथ खाना खाना, लंबे चम्मच की ज़रूरत।
31. दोनों में ख़तरा बराबर है- किसी पर विश्वास न करना और सब पर विश्वास करना।
32. आख़िरी जहाज़, सबसे अच्छा जहाज़।

33. किस्मत बहुत अस्थिर होती है।
34. अगर फांसी ही होनी है तो भेड़ की चोरी के लिए हो, मेमने के लिए क्या।
35. वर्तमान जैसा समय कोई नहीं।
36. गरीब आदमी पेट भरने के लिए मांस खोजता है, अमीर मांस खाने के लिए पेट खोजता है।
37. फटीचर से अमीर और फिर फटीचर।
38. नींद, आदमी के लिए 6 घंटे, औरत के लिए 7 और मूर्ख के लिए 8 घंटे।
39. दोस्त बने दुश्मन और दोबारा उबाले मांस से सावधान।
40. सिर्फ़ एक तरह की सास अच्छी है और वह है मरी हुई।
41. सबसे ज़्यादा प्यार करनेवाले की कद्र सबसे कम।
42. बगावत की तलवार निकाल लेने पर म्यान फेंक देनी चाहिए।
43. नौजवान मर सकते हैं, बूढ़ों को मरना ही चाहिए।
44. कहावतें अनुभव की औलाद हैं।
45. छाया वाली गली में कीचड़ होता है।
46. गिरने से बचा सकती है, ठोकर।
47. गैरमौजूदगी प्यार बढ़ाती है, मौजूदगी उसे मज़बूत करती है।
48. गैरमौजूदगी और दोस्ताना पड़ोसी, प्यार को धो डालते हैं।
49. आदमी और जानवर को पालतू बनाते हैं, उम्र और शादी।
50. सारे लालच या तो आशा से आते हैं या भय से।
51. भीख देने से कोई गरीब नहीं होता।
52. अच्छे आदमी में गुस्सा थोड़ी देर रहता है।
53. बिना किताबोंवाला आदमी, अंधा।
54. टेढ़े लट्ठे, सीधी आग।
55. शब्द, पत्तियां हैं और काम, फल।

56. निराशा हमारी ताक़त दूनी कर देती है।
57. दरबार से दूर, चौकसी से दूर।
58. बेवकूफ़ घर बनाते हैं और बुद्धिमान उनको ख़रीद लेते हैं।
59. गंदा पानी भी आग बुझाए।
60. जो अंडा चुराएगा, बैल भी चुराएगा।
61. समृद्ध होनेवाले को पहले अपनी बीबी से पूछना चाहिए।
62. लड़की का दिल जीतनेवाले ने पहले मां से शुरुआत की होगी।
63. बिल्ली की नज़र में, सारी चीज़ें बिल्लियों की हैं।
64. पढ़ने से लोग अपनी संगत सुधारते हैं।
65. बीच की शराब, ऊपर का तेल और नीचे का शहद, सबसे अच्छा।
66. ज़्यादातर लोग अच्छी शराब पहचानते हैं, पर उसके बाद कुछ नहीं।
67. कच्चा चमड़ा खिंचेगा।
68. सोच-समझकर बदला लिया तो उसका ज़ायका बेहतर।
69. वसंत आया जब तुम्हारे पैर फूलों पर पड़े।
70. जिस कुत्ते ने तुम्हें काटा, उसका एक बाल रखो।
71. शांत पति, झगड़ालू पत्नियां।
72. बिल्ली की नौ ज़िंदगियां होती हैं, तीन खेलने के लिए, तीन भटकने के लिए और तीन जीने के लिए।
73. शैतान के बच्चों की किस्मत शैतानवाली।
74. स्वर्ण युग कभी वर्तमान समय नहीं था।
75. हड्डी के जितना पास, उतना बढ़िया गोश्त।
76. पुरानी वायलिन में भी बहुत सुंदर धुनें।
77. दूर तक पूर्व जाओ, तो पश्चिम है।
78. हम सब आदम के बच्चे हैं, पर रेशम से फ़र्क बनता है।

79. जिनसे हम सबसे ज़्यादा प्यार करते हैं, उनसे सबसे कम कह सकते हैं।
80. ब्रेड कटी हो, तो एकाध स्लाइस इधर-उधर हो जाती है।
81. सेहत ख़राब होने पर, तुम सबसे अच्छे आदमी बन जाते हो।
82. बूढ़े अनुभव करते हैं, नौजवानों की दस्तक।
83. बिना ज्ञान के जोश, जैसे बिना रोशनी के आग।
84. जो जानवर की तरह रोम गया, जानवर की तरह लौटा।

पुर्तगाली

ये कहावतें यूरोप के सिरे वाली ज़मीन से हैं जो जिबराल्टर चट्टान पर एटलांटिक समुद्र के सामने है। यह ज़मीन समुद्री यात्रियों और यूरोप के लिए नई ज़मीनें खोजनेवालों की है। पुर्तगाली वास्को डि गामा मुगलों से पहले भारत आए और उन्होंने केरल, कर्नाटक, गोवा और महाराष्ट्र में उपनिवेश बनाए। कोलंबस एटलांटिक में भारत खोजने निकले और अमेरिका खोज लिया, जबकि डॉ केबरेल ने ब्राजील खोजा। पुर्तगाल फैडो संगीत, शराबों, मछली के व्यंजनों, चावल, लंबी दुपहरी, नींदों और धार्मिक त्यौहारों का देश है।

1. मुर्गी के लिए, हीरे से अच्छी जौ की बाली।
2. फकीर का बटुआ कभी भरता नहीं।
3. घर के पास, गधा बिना डंडा मारे भी तेज़ चलता है।
4. लड़की, अंगूर की बेल, बाग और मटर के खेत की निगरानी मुश्किल।
5. बढ़िया मुर्गा कभी मोटा नहीं होता।
6. दुबले होने पर बत्तख, बकरी और औरत बेकार।
7. गरीब आदमी खाने के बाद भी भूखा रहता है।
8. धनी विधवा, एक आंख से रोती और दूसरी से हंसती है।
9. कौंसिल में जगह, बिना मुनाफ़ेवाला सम्मान।
10. नौकर और मुर्गे को बस एक साल रखना चाहिए।
11. काटे गए कुत्ते को सभी काटते हैं।

12. पूरा हुआ मकान और खाली जेब, आदमी को बुद्धिमान बनाते हैं, पर बहुत देर में।
13. प्यार में पड़ा बूढ़ा, जैसे जाड़े में खिला फूल।
14. खुला बक्सा ईमानदार को भी ललचाता है।
15. शादी करने से पहले सोचो, क्योंकि ये गांठ तुम खोल नहीं सकते।
16. फैशन से बाहर होने से बेहतर, दुनिया से बाहर होना।
17. जेब में पैसे होने से अच्छा बाज़ार में दोस्त होना।
18. हर आदमी अपनी काबिलियत के अनुसार गाता है और किस्मत के हिसाब से शादी करता है।
19. सांड से बचने के लिए, मौत का बहाना।
20. कठिन रास्तों पर हमें छोड़ देते हैं, दोस्त और खच्चर।
21. अच्छे आदमी का सम्मान करो क्योंकि वह तुम्हें सम्मान दे सकता है और बुरे का इसलिए ताकि वह तुम्हारी बेइज़्ज़ती न करे।
22. शैतान जब दामाद पर शिकंजा कसता है, मैं बेटी के चेहरे देखता हूं।
23. अगर अमीर आदमी सांप खा जाए, लोग इसे उसकी समझदारी कहेंगे।
24. नौकर रखना बुरी बात है, पर नौकर होना सबसे बुरा।
25. कोई बात नहीं है, वे सिर्फ़ मेरे पति का कत्ल कर रहे हैं।
26. मेरा जीवन और आत्मा आपकी सेवा में है, बस खुरजी (घोड़े की पीठ का थैला) नहीं।
27. जिसे खोला जा सकता है उसे काटो नहीं।
28. चोर के घर में रस्सी का नाम मत लो।
29. कभी मत कहो; यह पानी मैं नहीं पिऊंगा, यह रोटी मैं नहीं खाऊंगा।
30. तेल, शराब और दोस्तों में पुराना बेहतर।
31. दो कायरों में, हमला करनेवाला जीतता है।

32. हाथ में लाठी होने पर शांति का मतलब, युद्ध है।
33. समय बदला, सलाहकार बदले।
34. बुरे आदमियों के साथ प्रार्थना करने से बेहतर भले लोगों के साथ डकैती डालना।
35. वादा करना, देना नहीं है, पर मूर्खों को खुश करने के लिए काफ़ी।
36. मधुमक्खियों के राजा के डंक नहीं होता।
37. कानून बनाया, बचाव की तरकीब भी तैयार।
38. सुस्त नौकर, एक काम से बचने के लिए आठ काम करता है।
39. मालिक आदमी को हुक्म देता है, आदमी बिल्ली को हुक्म देता है और बिल्ली अपनी पूंछ को।
40. नए साधुओं में बूढ़े साधु भुला दिए जाते हैं।
41. बहुत ज़्यादा उबालनेवाला बर्तन खुशबू उड़ा देता है।
42. सदाचारी, पापियों के लिए भुगतान करते हैं।
43. दामाद का थैला कभी भरता नहीं।
44. भेड़ की ठोकर लगने पर भेड़िया बहुत ख़ुश होता है।
45. मां, शादी क्या है? बेटी, यह कताई, बच्चे पालना और रोना है।
46. बैल को कहां जाना चाहिए? जहां उसे जुतना न पड़े।
47. हवाचक्की छोटी होकर बन गई सरौता।

रूसी

ये कहावतें रूस की प्राचीन ज़मीन से हैं। यह विशाल ठंडे, बर्फ़ से ढके टुंड्रा और विशाल जंगली स्तेपियों वाली ज़मीन है। यह लंबे, कठोर और बर्फ़ीले जाड़े की वह ज़मीन है जिसने नैपोलियन और हिटलर को हराया। यह मास्को में प्याज जैसे गुंबदों वाले क्रेमलिन महल, हमेशा खौलते समोवारों, वोदका, कज़्ज़ाक घुड़सवारों, साइबेरिया के वीरानों, ट्रांस साइबेरियन रेलवे, निर्दयी ज़ारों, दुनिया में पहली मज़दूर क्रांति के प्रयासों, स्पुतनिक और अंतरिक्ष खोजों, उत्कृष्ट जिमनास्टों और अधकचरे नेताओं, टैप डांस और बालालाइका संगीत, केजीबी, अस्त्रखान फ़र टोपियों और रूसी रूले की ज़मीन है।

रास्पुतिन, इवान दटेरिबल, पुश्किन, गोगोल, निकितिन, चेखव, टॉलस्टाय, लेनिन, ट्राट्स्की, चाइकोवस्की, आइजेंस्टाइन, पाव्लोव, स्टानिस्लावस्की, गागारिन आदि कुछ प्रमुख रूसी हैं।

1. मांगो बहुत, पर जो दिया जाए उसे ले लो।
2. चर्च पास है, पर रास्ता बर्फ़ीला है।
   सराय दूर है, पर मैं ध्यान से जाऊंगा।
3. हर किसान को अपने गांव के तालाब पर गर्व है, क्योंकि इससे वह समुद्र की तुलना करता है।
4. हर सड़क की दो दिशाएं।
5. अफ़वाहों को गाड़ी की ज़रूरत नहीं।
6. दो ख़रगोश चाहते हो तो एक भी नहीं पकड़ पाओगे।

7. ताज़े अच्छे, प्यार और अंडे।
8. अपने दोस्त का नाम लो, मैं बता दूंगा तुम कैसे हो।
9. कुत्ता, औरत से होशियार है, यह अपने मालिक पर नहीं भौंकता।
10. दुश्मन सहमत हो जाएगा पर दोस्त बहस करेगा।
11. अच्छे और सुंदर जन्म न लो, सौभाग्यशाली जन्म लो।

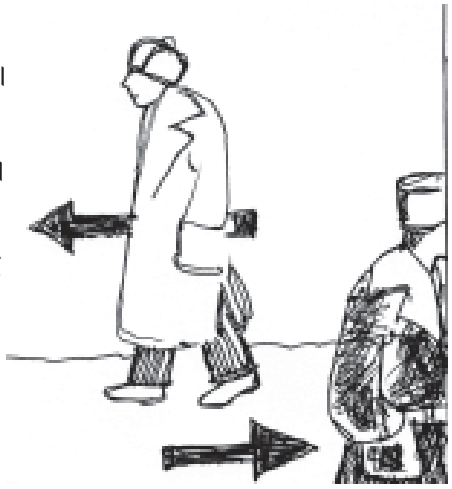

12. वह चश्मदीद गवाह की तरह झूठ बोलता है।
13. गाड़ी घोड़ा नहीं खींचता, घोड़े का चारा खींचता है।
14. फ़कीर को खाने पर बैठाओ, थोड़ी देर में वह अपने पैर भी फैला लेगा।
15. छोटे बच्चे सिर में दर्द देते हैं, बड़े दिल में दर्द।
16. कुछ लोग पैसे के मालिक होते हैं, कुछ गुलाम।
17. समस्याएं लेकर सोने चले जाओ, क्योंकि सुबह शाम से ज़्यादा बुद्धिमान होती है।
18. घास की सबसे लंबी पत्ती, हंसिए से सबसे पहले कटती है।
19. चीनी, सिर्फ़ दो तरह के होते हैं; रिश्वत देनेवाले और रिश्वत लेनेवाले।
20. कब्रिस्तान के पास घर, मगर हर एक के लिए नहीं रो सकते।
21. मछली अच्छी जो कांटे मे फंसी।
22. जो गाड़ी खींचता है उसे सब शाबासी देते रहते हैं।
23. भूख, खाने के दौरान लगती है।
24. हर जगह, अकेले आदमी का घर।
25. पादरी का पेट, भेड़ की खाल की कई परतों से बना होता है।

26. कहावत पर बहस नहीं हो सकती।
27. पत्नी बर्तन नहीं, वह इतनी जल्दी नहीं टूटेगी।
28. राज़ी घोड़े पर सभी अपना बोझ डालते हैं।
29. अनिवार्य चीज़ों का कभी कोई मूल्य नहीं होता।
30. लगाम पड़ने से बेहतर, भाग लो।
31. बहरे को गुप्त चीज़ बता दो, वह बोलने लगेगा।
32. स्थाई शांति, केवल अगले युद्ध तक चलती है।
33. शीशे से चांदी को अलग कर दो, ज़ार भी अपना चेहरा नहीं देख सकता।
34. बकरे की अगाड़ी, घोड़े की पिछाड़ी और आदमी के हर तरफ़ से डरो।
35. उपहार लानेवाले यूनानियों से डरो।
36. ईश्वर मानव-जाति को सज़ा देना चाहता था, इसलिए उसने वकील भेजे।
37. जो संकेतों में विश्वास नहीं करता, उसके लिए दुनिया में रहने की कोई जगह नहीं।
38. डॉक्टर ठीक करता है, सूरज देखता है; वह मार डालता है, ज़मीन छुपा लेती है।
39. अच्छी पत्नी और गोभी का गाढ़ा शोरबा हो तो और कुछ मत मांगो।
40. मैं दुश्मनों से नहीं डरता क्योंकि वे ज़्यादा से ज़्यादा हमला कर सकते हैं, मैं दोस्तों से नहीं डरता क्योंकि वे ज़्यादा से ज़्यादा धोखा दे सकते हैं; मैं उदासीन लोगों से बहुत डरता हूं।
41. जेब खाली तो जज बहरा।
42. गड़गड़ाहट तेज़ नहीं तो किसान ईश्वर का क्रास बनाना भूल जाएगा।
43. हमला करनेवाले पर पलटवार नहीं किया तो यह जानने का कोई

तरीका नहीं कि तुम्हारे भी हाथ हैं।

44. भाग्य के साथ पैदा हुए तो तुम्हारा मुर्गा भी अंडे देगा।
45. कानून, झंडा है और सोना वह हवा, जिससे यह फहरता है।
46. हर एक को अपनी नाक खुद साफ़ करने दो।
47. बुढ़ापा मज़ेदार नहीं, पर मौत से क्या फ़ायदा।
48. शांति रहती है जबतक सेना आती है और सेना रहती है जबतक शांति आती है।
49. भगवान से प्रार्थना करो, पर किनारे की तरफ़ खेना जारी रखो।
50. आज मुर्गा, कल पंखोंवाला झाड़न।
51. ठहरा पानी किनारे धंसा देता है।
52. भगवान से सच कहो, पर जज को पैसा दो।
53. झूठ बोलो, पर झूठ में उलझो नहीं।
54. पत्ती का गिरना, जिंदगी की फुसफुसाहट।
55. पहला पैग (वोदका का) पुरस्कार की तरह, दूसरा बाज़ की तरह और तीसरा, एक छोटी चिड़िया की तरह।
56. मछली हमेशा सिर से नीचे को सड़ती है।
57. अगर गरीब भोजन न उपलब्ध कराएं तो अमीरों को पैसा खाना पड़े।
58. शराब में कोई बुराई नहीं, गलती शराबखोरी की है।
59. भाग जाना शानदार नहीं, पर सेहत के लिए ठीक है।
60. वोदका, शराबों की चाची है।
61. जवान जिसे मांगते फिरते हैं, बूढ़े फेंक देते हैं।
62. भगवान पर विश्वास करो, पर अपने दरवाज़े बंद रखो।
63. किसी आदमी से मिलने पर उसे कपड़ों से आंकते हो, छोड़ते समय दिल से।
64. अपनी नानी को न समझा सको, तो वास्तव में तुमने कुछ नहीं सीखा।

आइरिश

ये कहावतें स्वतंत्र मानसिकता वाले आयरलैंड से हैं जो कभी अपने शक्तिशाली पड़ोसी इंग्लैंड के सामने झुका नहीं। यह धुंध से ढके दलदलों, एल्वस और ड्रूइड्स के परिवेश, क्रीम, पनीर, राई-व्हिस्की, रग्बी, हरे-भरे गांवों, बुद्धिमान लोगों, बगावतों, स्विफ़्ट, शा, यीट्स और ज्वायस की ज़मीन है।

1. अकेले रहने से झगड़ा करना बेहतर।
2. ठोडी पर गड्ढा, भीतर शैतान।
3. हर अपंग, डॉक्टर।
4. जब तक किनारे न हो, वह मछली नहीं।
5. दादाजी चाहे जितने लंबे रहे हों, तुम्हें खुद बढ़ना होगा।
6. शाम तक, हर आदमी पहचाना जाता है।
7. बेवकूफ़ औरत, बेवकूफ़ आदमी की कमियां जानती है।
8. दूसरे के घर में मेहमान को अंधा होना चाहिए।
9. उपलब्धियों से भरी सूची और शर्म से भरा गांव।
10. अच्छे ताश के पत्ते रखने वाला आदमी, गलतियों पर सवाल नहीं उठाता।
11. प्रकाश में बैठक भाग्यशाली और बरसात में दफ़नाना।
12. कुहरे वाला जाड़ा, खुशनुमा वसंत लाता है और खुशनुमा जाड़ा, कुहरे वाला वसंत लाता है।

13. पुराना झाड़ू गंदे कोनों को अच्छी तरह जानता है।
14. गाय पालनेवाले हर आदमी को दूध दुहने के लिए हमेशा एक औरत मिल जाएगी।
15. विद्वान की स्याही, शहीद के खून से ज़्यादा लंबे समय तक चलती है।
16. मांस पहुंच के बाहर होने पर, बिल्ली की तरह ईमानदार।
17. छोटी मुलाकातें अच्छी पर वह भी बार-बार नहीं।
18. ख़र्च करनेवाला जमाखोर की संपत्ति पाता है।
19. नज़र रखने पर केतली कभी उबलती नहीं।
20. ख़राब किराएदार से खाली मकान बेहतर।
21. बड़े तोंदवाले कभी दयालु नहीं थे।
22. ज़मीन तक लाने से पहले कभी मछली को धन्यवाद न दो।
23. कुंए पर बहुत जल्दी या बहुत देर में मत जाओ।
24. अपनी ज़ुबान को अपना गला मत काटने दो।
25. रिश्तेदारों के बच्चों को गुप्त बातें मत बताओ।
26. साफ़ पानी न रखा हो तो गंदा पानी मत फेंको।
27. मदिरापान देश का दुर्भाग्य है। इसके कारण तुम पड़ोसी से लड़ते हो। इससे तुम अपने ज़मींदार को गोली मारते हो और निशाना चूकते हो।
28. काली मुर्गियां भी सफ़ेद अंडे देती हैं।
29. सत्य भी कड़वा हो सकता है।
30. हर आदमी बुद्धिमान है जब तक वह बोलता नहीं।
31. रज़ामंद घोड़े पर हर आदमी बोझ डाल देता है।
32. हर आदमी अपनी मातृभूमि की तारीफ़ करता है।
33. हर मरीज़ ठीक होने के बाद डॉक्टर हो जाता है।
34. आग के उजाले में आप अच्छी कहानियां नहीं पढ़ सकते, पर

इससे गर्मी मिलती है और फ़र्श पर पड़ी धूल नहीं दिखाई देती।

35. भगवान दयालु है, पर छोटी नाव में नाचो नहीं।
36. वह दाम हर चीज़ के जानता है पर मूल्य किसी का नहीं।
37. बदमाश मुझे धोखा दे, शर्म उस पर; वह मुझे दोबारा धोखा दे तो शर्म मुझ पर।
38. रास्ता न जानते हो तो धीमे चलो।
39. कोट उधार दो तो उसके बटन मत काटो।
40. रेशमी कपड़े पहनने पर भी बकरी, बकरी ही रहेगी।
41. मैं वहां रात को जाऊंगा क्योंकि शाम की रफ़्तार सवेरे से ज़्यादा तेज़ होती है।
42. जाड़े में दूध गाय की सींगों में चला जाता है।
43. घमंडी को शांत करना मुश्किल।
44. अमीर पैदा होने से भाग्यशाली पैदा होना बेहतर।
45. झूठ शुरू करनेवाले लोग बहरे होते हैं।
46. जूते फटे हों तो छाता ले जाने से क्या फ़ायदा।
47. ज़्यादा मथने से मक्खन खराब निकलता है।
48. बुरे लोगों के साथ से, लंबे समय अकेले रहना बेहतर।
49. गरीब आदमी में बहुत कमियां दिखाई देती हैं।
50. पड़ोसी की तकलीफ़ पर खुशी, मगर सफ़लता से ईर्ष्या।
51. साल भर से पहले अपने दामाद की तारीफ़ न करो।
52. सिर ज़िंदा हो, तो कभी पैरों से बात न करो।
53. घड़ा पानी में चाहे जितनी बार जाए, आखिरकार टूट जाता है।
54. पेड़ में चाहे सड़ी लकड़ी के सिवा कुछ न हो, मगर उसे जला डालने के लिए काफ़ी है।
55. केवल अमीरों को ही संभव है, दयालु होना।
56. अपने विचारों को पत्थर की लकीर माननेवालों पर तरस खाना

चाहिए।

57. उस पर तरस खाओ, जिसने गलत किया और साथ-साथ गरीब भी है।
58. गरीब समुद्र की ओर जाते हैं, अमीर पहाड़ों की ओर।
59. गरीबी में साथी अलग हो जाते हैं।
60. हरे भुट्टों की नहीं, पके खेत की तारीफ़ करो।
61. कहावतों का खंडन नहीं हो सकता।
62. उसे कंधे पर रखो और कहो, भारी नहीं।
63. उम्र के पहले समझदारी नहीं आती।
64. शर्म हमेशा गरीबी का हिस्सा थी।
65. अमीर की आवाज़ मीठी होती है।
66. देखने के लिए सबसे अच्छा शीशा, दोस्त की आंखें।
67. दिल में स्वामिभक्ति बनाए रखने का सबसे अच्छा तरीका, उसकी जेब में पैसे डालना।
68. लुहार के घोड़े और मोची की बीबी, को जूते सबसे बाद में मिलते हैं।
69. बिल्ली शालीन होती है, जब तक कुत्ता नहीं आता।
70. बड़े महलों की दहलीज़, फ़िसलनदार।
71. सवेरे जल्दी उठनेवाला अपने काम खत्म कर लेता है, पर केवल जल्दी उठना खत्म नहीं कर पाता।
72. लड़ाई की शुरुआत से, दावत का अंत बेहतर।
73. अंग्रेज़ हमेशा उन गुणों के लिए दूसरों की तारीफ़ करते हैं, जिन्हें वे अपने लिए नहीं चाहते।
74. भरे पेट, खाली पेटवालों को नहीं समझते।
75. जेब जितनी भारी, दिल उतना हल्का।
76. सुरक्षित दफ़न कर देने के बाद आयरलैंडवाले अपने महान लोगों को भूल जाते हैं।

77. बाहर जाते समय सबसे लंबी सड़क, घर लौटते समय सबसे छोटी।
78. जितनी पुरानी वायलिन, उतनी मीठी आवाज़।
79. महिलाओं का अहंकार और पादरियों का अहंकार।
80. समुद्र में उससे भी ज़्यादा मछलियां हैं, जितनी आज तक उससे बाहर निकलीं हैं।
81. हर कहानी के दो पहलू।
82. हर सरदार की कब्र में सोना भरे दो घड़े, पर बिल्लियों और परियों की हिफ़ाजत में।
83. दुर्भाग्य वहीं, जहां संपति।
84. एक बेवकूफ़ हर मिनट पैदा होता है और सभी ज़िंदा रहते हैं।
85. बंदरगाह से करीब भी कई जहाज़ डूबे हैं।
86. कोई बुद्धिमान, बिना ख़ामी के नहीं होता।
87. हर घर में एक समस्या है और कुछ सड़कों पर।
88. स्वर्ग की सड़क पर काफ़ी साइनबोर्ड होते हैं, पर रात में इस पर ठीक से उजाला नहीं होता।
89. एक चीज़ की तलाश से दूसरी मिलती है।
90. तारे, शोर नहीं मचाते।
91. जंगल में झड़ी पत्तियों की जगह, नई निकलेंगी।
92. सबसे नए कांटे, सबसे नुकीले।
93. जवान, बहुत खालें छोड़ते हैं।
94. जल्दी उठनेवालों में गिने जानेवाले, दिन भर पड़े रह सकते हैं।
95. कहावत भले ही छोड़ दी जाए, झुठलाई नहीं जा सकती।
96. बाद में, सब कुछ समझ में आ जाता है।
97. दो चीज़ों का कोई फ़ायदा नहीं, पहाड़ पर घास का मैदान और गरीब आदमी की बुद्धि।

98. जब आसमान गिरेगा, हम परिंदों को पकड़ लेंगे।
99. महिलाएं, पुरुषों से मज़बूत हैं, वे बुद्धि के कारण नहीं मरतीं।
100. लोग एक-दूसरे की शरण में रहते हैं।
101. सबसे छोटी चीज़ें भी, इंसान के बाद बची रहती हैं।

डच

ये कहावतें उस ज़मीन की हैं जिसे समुद्र के नीचे से प्राप्त किया गया है और डाइक्स (बांध) की विशाल व्यवस्था से बनाए रखा जाता है जिसने इसे 'डच हिम्मत' का जुमला दे दिया है। हम सभी ने उस बहादुर डच बच्चे की कहानी सुनी है जिसने समुद्र को रोके रखनेवाले बांध में एक छेद देखकर ज़मीन बचाने के लिए उसमें अपनी उंगली और बाद में पूरा शरीर लगा दिया था। यह ज़मीन ग्वालिनों, मक्खन, गायों, ट्यूलिपों, एमस्टर्डम की हीरा बाज़ार, समुद्री यात्री, एशिया और अफ्रीका में उपनिवेश बनानेवालों, लचीले स्वतंत्र आत्मावाले लोगों और फुटबाल के नशेवाली है।

1. अपने दरवाज़े के बाहर निकला, यात्रा का कठिन हिस्सा पीछे छूटा।
2. दो लोग झगड़ा करते हैं, दोनों दोषी हैं।
3. तले अंडों से चूज़े नहीं निकल सकते।
4. तेज़-तर्रार बेटी, कमज़ोर पत्नी बनती है।
5. हड्डी मिलने पर कुत्ते का कोई दोस्त नहीं।
6. महान किताब, महान बुराई।
7. मेहमान, मछली जैसा होता है; तीसरे दिन बदबू आने लगती है।
8. चार पैरों के बावजूद भी घोड़ा ठोकर खा सकता है।
9. सौ नानबाई, सौ मिल मालिक, सौ दर्जी; तीन सौ चोर।
10. बिना दाढ़ी के चुंबन, बिना नमक के अंडा।
11. झूठ बोलनेवालों की याददाश्त अच्छी होनी चाहिए।
12. छोटा बर्तन, जल्दी गर्म।

13. सम्मान स्वीकार करने से पहले आदमी पहचाना नहीं जाता।
14. नाव से डूबा एक आदमी, एक मुंह कम।
15. बिना पैसे का आदमी, जैसे बिना पाल का जहाज़।
16. काम पर लगा हल चमकता है; ठहरा पानी बदबू करता है।
17. दुखी दुल्हन, अच्छी पत्नी बनती है।
18. तट पर खड़ा जहाज़, समुद्र के लिए प्रकाशस्तंभ।
19. चोर, अवसर पैदा करता है।
20. एक सूदख़ोर, एक मिल मालिक, एक बैंकर, और एक शराबघर का मालिक; ये चारों लूसीफ़र (शैतान) के प्रचारक हैं।
21. सलाहकार, कुछ देनेवाले नहीं होते।
22. सहमत होओ, सहमत होओ; क्योंकि कानून मंहगा है।
23. सभी दफ़्तर, फिसलन भरे।
24. घर के तीन शैतान; बंदर, पादरी, और पिस्सू।
25. कुलीन बना किसान, अपने बाप को नहीं पहचानता।
26. सभी देशों में कुत्तों के दांत होते हैं।
27. जब तक पुल पार न कर लो, खुश न हो।
28. रोटी खाओ हल्की और पनीर भारी।
29. वज़न घटाने में थोड़ी-सी सहायता भी अच्छी है, कहते हुए कैप्टन ने अपनी पत्नी को जहाज़ से फ़ेंक दिया।
30. अपने हुनर में हर आदमी चोर है।
31. ढेर-सा पैसा काफ़ी बुरी चीज़ों को ढक सकता है।
32. पतले तारों पर लटक सकते हैं, भारी वज़न।
33. बाइबिल उसके होठों पर है, दिल में नहीं।
34. ख़ेल में धोखा देनेवाला, हर तरह का धोखा दे सकता है।
35. दूसरे के मरने का, लंबा इंतज़ार।
36. दूसरे की ज़मानत लेनेवाला, भुगतान ख़ुद करता है।

37. भारी जेबें और हल्के दिल, काफ़ी झेल सकते हैं।
38. ऊंचे पेड़, फलों से ज़्यादा छाया देते हैं।
39. ख़ाली थैले के लिए सीधा खड़ा होना मुश्किल।
40. पानी, पैगंबर का पेय।
41. लंबी सड़क बिना घुमाववाली है।
42. बाल नहीं तो कंघी करना बेकार।
43. अच्छा है कि डॉक्टरों के बजाय नानबाई घोड़े पर सवार हों।
44. अपने मामलों में कोई बुद्धिमान नहीं होता।
45. अंधे आदमी जितना साहसी कोई नहीं।
46. बच्चों के सुनने से डरो, क्योंकि छोटी सुराहियों के कान बड़े।
47. तेल शुरुआत में अच्छा होता है, शहद आख़िर में और शराब बीच में।
48. बूढ़ी चिड़ियों को बिल्लियां नहीं पकड़ पातीं।
49. एक ईश्वर, एक पत्नी, पर दोस्त बहुत से।
50. कीमती चीज़ें छोटी होती हैं।
51. भेड़िए की बात की और उसकी पूंछ दिखाई दी।
52. लंबे पेड़, ज़्यादा हवा झेलते हैं।
53. आख़िर में बुद्धिमानी, अच्छी बुद्धिमानी।
54. इल्ज़ाम हमेशा गैरहाज़िरों पर।
55. कला पैसा बनाने में, नहीं, बल्कि उसे बनाए रखने में है।
56. सर्वोत्तम उद्देश्य के लिए अच्छे वकील की ज़रूरत।
57. बेहतर वकील, बुरा ईसाई।
58. आदमियों में ही हैं, शैतान के शहीद।
59. शैतान उतना काला नहीं, जितना बताया जाता है।
60. शैतान क्रूस के पीछे बैठता है।
61. आंखें पेट से बड़ी।

62. नाव में पहले आनेवाले को, पसंदीदा पतवार।
63. बाज़ार में उतनी ही खालें बछड़ों की आती हैं, जितनी बैलों की।
64. बिल्लियों को पसंद न करनेवाले, बरसात में कब्रिस्तान ले जाए जाएंगे।
65. कुछ न करने का मतलब, बुराइयां सीखना।
66. पेट भर जाने पर सुअर नांद उलट देता है।
67. बर्तन उबलकर खुद को ठंडा कर लेता है।
68. जनता में प्रशंसा के लिए बोलने या लिखनेवाला, कौन ईर्ष्या या आरोप से बच सकता है?
69. खुद को अपने से ज़्यादा धोखा किसने दिया?

पोलिश

ये कहावतें जर्मनी और रूस के मध्य हमेशा बीच वाली स्थिति में रहने वाले सुंदर देश पोलैंड से हैं। यह हज़ारों झीलों और जंगलों की ज़मीन है जिसके बीच से ओडर और विस्चुला नदियां गुज़रती हैं। इसने हमें पोलिश जोक्स, पोप, कवि, गोलाश, मीटबाल-स्टू, मेरी क्यूरी, शोपां, कोपर्निकस और बर्फ़ हॉकी दी है।

1. नदी को धकेलो नहीं, यह अपने आप बहेगी।
2. काम न करनेवाली घड़ी भी, दिन में दो बार सही समय बताती है।
3. अच्छे चित्रकार को शीर्षक देने की ज़रूरत नहीं, बुरे को ज़रूर देना चाहिए।
4. सबसे ज़्यादा प्यार मां का, फिर कुत्ते का, फिर प्रेमिका का।
5. मेज़बान जितना एक साल में देखता है, मेहमान उतना एक घंटे में।
6. औरत शादी से पहले रोती है और आदमी बाद में।
7. शब्द तोले जाने चाहिए, गिने नहीं।
8. तीन डॉक्टर होने से बेहतर, कोई डॉक्टर नहीं।
9. प्यार आदमी में आंखों से भीतर आता है और औरत में कानों से।
10. शोर मचानेवाली गाय दूध कम देती है।
11. बूढ़े होने पर सारा समय अच्छा।

12. अच्छी लगने के लिए मछली को तीन बार तैरना चाहिए; पानी में, मक्खन में, शराब में।
13. ईश्वर मुझे अच्छी तलवार दें और उसके इस्तेमाल का मौका न दें।
14. भूख के कारण लोमड़ी जंगल से बाहर आती है।
15. बिना इस्तेमाल किए स्याही सूख जाएगी।
16. मासूमियत, अज्ञानता के पिछवाड़े खेलती है।
17. डॉक्टर अपनी फ़ीस मांगता है; चाहे मर्ज़ को मारे या मरीज को।
18. आजकल देवदूत से मिलने के लिए तुम्हें स्वर्ग जाना होगा।
19. पूंजीवाद में आदमी, आदमी का शोषण करता है, समाजवाद में इसका उल्टा है।
20. नीचे झुकनेवालों के चेहरों पर गौर करो।
21. चाहे जहां जाओ, अपने आप से मुक्ति नहीं पा सकते।
22. तिरछे पेड़ पर बकरी भी चढ़ जाएगी।

जापानी

ये कहावतें 'उगते सूरज की ज़मीन' से हैं। एक छोटे एशियाई टापू देश जापान को अक्सर विशाल पड़ोसियों जैसे रूस, चीन और अमेरिका ने जीता। यह ज़मीन क्रूर मध्ययुगीन राजाओं, शोगुनों, चायपान उत्सवों, गीशाओं, किमोनो, समुराई विजेताओं, इकेबाना, माउंट फूजी, भूकंपों, हाइकू कविता, काबुकी एवं नोह थियेटर, सुशी, साके, कारों, कामीकाज़े पाइलटों, कंप्यूटरों, रोबोटों और हिरोशिमा एवं नागासाकी की ज़मीन है।

1. कार्मोरेंट (एक तरह की बत्तख) की नकल करनेवाला कौआ डूब जाता है।
2. कर सकते हो तो अमीरों और शक्तिशालियों को धोखा दो, पर उनका अपमान मत करो।
3. पति घर पर न हो, तो ज़्यादा ठहरो नहीं।
4. सात बार गिरे, आठवीं बार खड़े हो जाओ।
5. तेज़ी से पका, तेज़ी से सड़ा।
6. बिचौलिए की घिसे हज़ार चप्पलें।
7. सवेरे के सूरज की शान या अपनी सास की मुस्कान पर कभी विश्वास मत करो।
8. उल्टे पक्ष का भी एक उल्टा पक्ष होता है।
9. बिना कार्रवाई के विचार, दिवास्वप्न; बिना विचार के कार्रवाई, डरावना सपना।

10. एक अच्छा पति, स्वस्थ और गैरहाज़िर।
11. यदि आदमी महान हो तो उसका कुत्ता भी घमंडी होगा।
12. यदि तुम अपने सारे पढ़े पर विश्वास करते हो, तो बेहतर है मत पढ़ो।
13. उभरनेवाली कील, हथौड़े से ठोक दी जाएगी।

14. तलवार से ज़्यादा ज़ुबान से डरो।
15. पंखे से कुहरा नहीं भगाया जा सकता।
16. अच्छी तलवार वह जो म्यान में रह गई।
17. चटके बर्तन पर मरम्मत किया ढक्कन।
18. व्यापारी की खुशियां, अवसरों, हवाओं और माल पर लटकती हैं।
19. सड़क पर बातूनी साथी, बस बेकार घोड़े जैसा है।
20. मिट्टी का आदी सुअर, चावल देखकर नाक-भौं चढ़ाता है।
21. काटकर गोल अंडा भी चौकोर बनाया जा सकता है।
22. लगाव रहस्यमय, पर मसालेदार चीज़ है।
23. सभी विवाहित महिलाएं बीवियां नहीं।
24. ज़्यादा अदब, बेअदबी है।
25. शादी वाले दिन बीवी को पीटो और तुम्हारा वैवाहिक जीवन सुखमय बीतेगा।
26. धोखा देनेवाले को धोखा देना कोई बदमाशी नहीं।
27. कागज के पन्ने के भी दो पक्ष होते हैं।
28. चोर को भी अपना धंधा सीखने में दस साल लगते हैं।
29. पहले आदमी शराब पीता है; फिर शराब, शराब पीती है; फिर शराब आदमी को पीती है।
30. ढीठ को माफ़ करना, पानी पर चित्र बनाने के समान।

31. अगर आदमी के भीतर चाहत नहीं, वह सत्य और सुंदरता समझने के काबिल नहीं।
32. अगर तुम न सब्ज़ी हो, न जानवर, तो तुम खनिज हो।
33. भिखारी को गर्व है कि वह चोर नहीं है।
34. किस्मत, मुंह में चावल की फिरनी कहीं से उड़कर आ जाए।
35. मेरा बेटा, मेरा बेटा है जब तक उसे पत्नी न मिल जाए; मेरी बेटी ज़िंदगी भर मेरी बेटी है।
36. केवल वकील और चित्रकार काले को सफ़ेद कर सकते हैं।
37. गैरहाज़िर, रोज़ दूर होता जाएगा।
38. झरने का कंकड़, मन ही मन खुद को हीरा समझता है।
39. मुनाफा जितना कम, बिक्री उतनी ज़्यादा।
40. शेर मरते हैं और अपनी खाल छोड़ जाते हैं; आदमी मरते हैं और अपना नाम छोड़ जाते हैं।
41. हंसते हुए बीता समय, देवताओं के साथ बीता समय है।
42. किस्मत का इंतज़ार और मौत का इंतज़ार करना बराबर है।
43. नर्क में भी लेनदेन पैसे पर निर्भर करता है।
44. दीवारों के कान होते हैं, बोतलों के मुंह होते हैं।
45. हम, हवा में जलती मोमबत्तियों के सिवा कुछ नहीं।
46. चाहे हम नाचें या नहीं, बेवकूफ़ हैं; इसलिए अच्छा है नाचें।
47. हम आए हैं और इसे सिद्ध करने के लिए, यहां हैं हम।

अमरीकी

ये कहावतें दुनिया के सबसे धनी देश से हैं। इस नई ज़मीन को पहले यूरोपियनों ने और बाद में दुनिया भर से आनेवाले प्रवासियों ने बनाया जो प्रत्येक के लिए अवसरों की ज़मीन थी। यह बिग एपल की ज़मीन मानवजाति को पिघलानेवाला बर्तन और आधुनिक मक्का है। यह स्टेचू ऑफ लिबर्टी, काऊब्वाय, बंदूकों और आटोमोबाइलों, ग्रांड केनयन और रेड इंडियनों, टेलीफोनों, कंप्यूटरों, माइक्रो/नैनो टेक्नालाजी, पहली गगनचुंबी इमारतों, फास्ट फूड, माफ़िया युद्ध, हॉलीवुड, रेफ्रिजरेटर, एयरकंडीशनिंग, चंद्र अवतरण, यांकी भावना, गुलामी की ज़मीन, गोल्ड-रश, लिंकन, लोकतंत्र, उद्यमिता, खोजों, टाइकूनों, जीन्स, डिज़ाइनर डोप, सीआईए, ज़ीनोफोबिया, टेलीविज़न, युद्धों और डॉलरों की दुनिया है।

1. आत्मरक्षा के अलावा एक पेड़ कभी गाड़ी से टक्कर नहीं मारता।
2. उम्मीद पर जीनेवाला भूखों मरेगा।
3. पैसे के लिए शादी करने वाल पैसा कमाएगा।
4. अक्सर, दवा की खुराक उतनी ही ज़रूरी होती है, जितनी मुसीबत की खुराक।

5. सूती जुराबों वाली लड़की, चूहों से नहीं डरेगी।
6. आदमी उतना ही बड़ा है, जितना उसे भड़कानेवाली चीज़ें।
7. यदि सचमुच कहने को कुछ है तो कोई भाषणकर्ता नहीं बन सकता।
8. गरीब, हमेशा पीछे रहता है।

9. सभी आदमी बेवकूफ़, पर सभी बेवकूफ़ आदमी नहीं।
10. एक थैली कॉफ़ी के लिए अमरीकन नर्क तक जाएगा।
11. क्रिसमस आया, मगर साल में एक बार काफ़ी है।
12. जिगरी है, पर सिगार नहीं।
13. जंगल से बाहर निकले से पहले चीखो-चिल्लाओ नहीं।
14. नहलाने के बाद, गंदे पानी के साथ बच्चे को मत फेंको।
15. सेबों से भरी गाड़ी मत उलटाओ।
16. आसानी से मिला, आसानी से गया।
17. खाओ, पियो और मौज उड़ाओ; क्योंकि कल हम मर जाएंगे।
18. कुत्ता भी ठोकर खाने और ठोकर मारे जाने में फ़र्क जानता है।
19. हर आदमी, छिपा हुआ बेवकूफ़।
20. हर आदमी में एक काला दाग़ होता है और कुछ में दो।
21. मुफ़्त जहाज, मुफ़्त सामान।
22. सोना वहां है, जहां तुम्हें मिले।
23. मैं चाहता हूं, 'यहां वह दफ़न है' के बजाय वे कहें, 'देखो वह जा रहा।'
24. यदि तुम उनको हरा नहीं सकते, उनके साथ मिल जाओ।
25. अगर दो घोड़ों पर एक साथ सवारी नहीं कर सकते, तुम्हें सरकस में नहीं रहना चाहिए।
26. अज्ञान, पर्यावरण प्रदूषण का एक रूप है।
27. ईश्वर में मेरा विश्वास है, बाकी सब को नकद देना है।
28. राजनीति में, आदमी को सिद्धान्तों से ऊपर उठना सीखना चाहिए।
29. चाहे जितने आदमी काम पर लगाए जाएं, बच्चा पैदा होने में नौ महीने लगते हैं।
30. शालीन बनाने में तीन पीढ़ियां लगती हैं।
31. प्यार बहुतों से करो, विश्वास कम पर करो और अपनी नाव स्वयं

खेओ।

32. मनुष्य, अपने द्वारा तैयार किए औज़ारों से बड़ा है।
33. आदमी केले की तरह है, समूह से अलग होने पर उसका छिलका उतार दिया जाता है।
34. वादे करने का आदी, उनको भूलने का आदी।
35. आदमी, अपने मामलों में अंधा।
36. आदमी को निर्देश कम, तारीफ़ ज़्यादा चाहिए।
37. ज़्यादा व्यापारवाले को ज़्यादा माफ़ियां देनी चाहिए।
38. कभी अपने हिस्से से संतुष्ट न हो और ज़्यादा की कोशिश करो।
39. चुप रहने का अच्छा मौका कभी मत छोड़ो।
40. अवसर, अंडे की तरह एक बार में एक आता है।
41. कवि पैदा होते हैं, बनाए नहीं जाते।
42. तारीफ़, बुरे आदमी को और भी बुरा बना देती है।
43. जो बात कहो, उस पर अपना पैसा लगाओ।
44. ईश्वर में विश्वास करो, पर अपना बारूद सूखा रखो।
45. रिपब्लिकन गरीबों के लिए सब कुछ करेंगे, उनकी पीठों से बोझ उतारने के सिवा।
46. पैसे खड़े रहें, रुपयों को बैठने दो।
47. डंडे और पत्थर मेरी हड्डियां तोड़ देंगे, पर शब्द कभी चोट नहीं पहुंचाएंगे।
48. पैसों की चिंता करो और रुपयों की चिंता तुम्हारी विधवाओं के दूसरे पति करेंगे।
49. बातें सस्ती, व्हिस्की खरीदने में पैसे लगते हैं।
50. कब्रिस्तान वैसे लोगों से भरे हैं, जिन्होंने सोचा कि दुनिया का काम उनके बिना नहीं चल सकता।
51. सबसे ख़तरनाक भोजन, शादी का केक।

52. खेल चलता रहे।
53. इच्छा, काम का बाप है।
54. जब आनंद व्यापार में बाधा बने, व्यापार छोड़ दें।
55. धुंआ है तो आग है।
56. अपना बिस्तर लगाया, अब उसी पर लेटो।

भारतीय

ये कहावतें हमारी अपनी ज़मीन से हैं। यह पुराणों का जंबू द्वीप, हिमालय की ज़मीन; शक्तिशाली गंगा और ब्रह्मपुत्र नदियों, आक्रमणों से बहुत कुछ घुली-मिली प्राचीन सभ्यता, प्रवासों और इतिहास का देश है। यह बुद्ध, अशोक, अकबर और गांधी; हाथी, कमल, आम, नारियल, रुई, चाय, जूट, जवाहरातों, बाबुओं और काल-सेंटरों का देश है। यह ज़मीन अशोक स्तंभों, ताजमहल, सांची स्तूप, विशाल विविधताओं, असमानताओं, धैर्य और उम्मीद की ज़मीन है।

1. जब तक आदमी सरल नहीं, वह ईश्वर को नहीं पहचान सकता, जो स्वयं सरल है।
2. दूर की पहाड़ियां सुंदर लगती हैं।
3. रोटी तब पकाओ जब तवा गर्म हो।
4. मोची की नज़र पैरों पर रहती है।
5. सच, बारह साल बड़ा है।
6. बहुत गर्म दूध न पी सकते हो, न फेंक सकते हो।

7. अंधों में, भेंगे राजा।
8. बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद?
9. दौड़ने से चलना बेहतर, चलने से खड़े रहना बेहतर, खड़े रहने से बैठना बेहतर, बैठने से लेटना बेहतर।
10. जूते दान करने के लिए गाय की हत्या।

11. नाचने जा रही हो, घूंघट का क्या फ़ायदा।
12. संत हवा में उड़ते हैं, केवल शिष्यों की नज़र में।

13. ये तीन घुमावदार रास्तों पर चलते हैं– बैलगाड़ियां, नावें और संगीतज्ञ।
14. बहती गंगा में हाथ धोना।
15. अब आया ऊंट पहाड़ के नीचे।
16. जिसकी लाठी उसकी भैंस।
17. बादशाह शेर पर सवार तो है, पर उतर नहीं सकता।
18. कानों को शब्द दो पर शब्दों को कान नहीं।
19. ठीक चले तो गाड़ी, नहीं तो लट्ठा।
20. वयस्क काम देखते हैं, बच्चे प्यार।
21. उत्तम खेती, मध्यम बान। निखिद्ध चाकरी, भीख निदान।।
22. ईश्वर को याद करो, पर नाव पत्थरों से दूर चलाओ।
23. आदमी के बारे में फ़ैसला न करो, जब तक उसके जूतों में दो दिन तक सफ़र न करो।
24. सिर्फ़ नदी मत पार करो, उसे आग लेकर पार करो।
25. लहसुन, दस माताओं जितना अच्छा।
26. गाड़ी से पांच गज़, घोड़े से दस गज़, और हाथी से सौ गज़ दूर रहो; पर दुष्ट आदमी से अलग रहने की दूरी मापी नहीं जा सकती।
27. केवल पागल कुत्ते और अंग्रेज़ दोपहर की धूप में बाहर निकलते हैं।
28. नदी किनारे बैठो रहो, तुम्हारे दुश्मन की लाश शीघ्र बहती हुई गुज़रेगी!

29. सबसे कमज़ोर, बाहर धकेल दिए जाएंगे।
30. उसी नदी में तुम दोबारा पैर नहीं रख सकते।
31. उसी का सहारा ले सकते हो जो अड़ा रहे।
32. जो समुद्रों में न मिले, वह अक्सर नदियों में मिल सकता है।
33. ग्यारह आदमी, ग्यारह रास्तों पर चले।
34. अज्ञान माने जीवन में शांति।
35. बेटी, मैं तुमसे कहता हूं; बहू इसे मानो।
36. एक आदमी पानी में आग लगा सकता है, जबकि दूसरा तेल में भी नहीं।
37. एक की दाढ़ी जली, दूसरे ने हाथ सेंके।
38. ग्राहकों को दूकानदार पहचानता है।
39. खतरा दूर हुआ तो भूल गए भगवान।
40. कद्दू सींचने पर बैंगनों को भी पानी मिल जाता है।
41. जो कुछ हमारे ठंडे मुर्दा हाथों में समा सकता है, उतना ही हमने दान दिया।
42. जिसने बिना दया का व्यवहार किए, या आनंद उठाए, दिन बिताया; उसकी ज़िंदगी लुहार की धौंकनी जैसी है जो सांस लेती है पर ज़िंदा नहीं।
43. पिता के मरने का दुख छः महीने तक, मां के मरने का दुख एक साल, पत्नी के मरने का अगली पत्नी आने तक और बच्चे के मरने का दुख हमेशा के लिए।
44. जन-आंदोलन से न्याय मिलता है।
45. हमें नाचते हुए देखना, यानी हमारे दिलों की आवाज़ सुनना।
46. दो की दोस्ती के लिए एक का धैर्य ज़रूरी।
47. मुझे अपने पास जूते न होने की शिकायत थी, जबतक एक आदमी मिला जिसके पैर नहीं थे।
48. नदी में रहना और मगर से बैर।

49. कभी-कभी इलाज से दर्द बेहतर।
50. सुनो, नहीं तो तुम्हारी ज़ुबान तुमको बहरा बना देगी।
51. मौका छोड़नेवाला आदमी और डाल न पकड़ पानेवाला बंदर, ज़िंदा नहीं बचता।
52. शेर बनाने का दोष भगवान को न दो, उसे पंख न देने के लिए धन्यवाद दो।
53. ये कभी सच्चे दोस्त नहीं हो सकते- आशा, पासा, वेश्या, डकैत, धोखेबाज़, सुनार, बंदर, डॉक्टर और शराब बनानेवाला।
54. दावत में सबसे पहले पहुंचो और लड़ाई में सबसे बाद।
55. ज़मीन से कीमती चीज़ें खोद निकालना, मुसीबत को न्यौता देना।
56. सिर्फ़ उसके किनारों की वजह से हर चीज़ समझ में आनेवाली है।
57. एक 'नहीं', सत्तर बुराइयों से बचाता है।
58. लड़ाई में जाने से पहले एक घंटा प्रार्थना करो, समुद्र पर जाने से पहले दो घंटा और शादी से पहले तीन घंटा।
59. सुई से कहती चलनी; तुम्हारे सिर में एक छेद।
60. पेड़ सबको छाया देता है, लकड़हारे को भी।
61. कोई बुराई, बिना फ़ायदे के नहीं।
62. हिरन के शिकारी, कभी-कभी शेर पालते हैं।
63. पहाड़ के नीचे सोना और चांदी, रात में आसमान के नीचे भूख और ठंड।
64. पानी में हो, तैरो।
65. मेंढ़क अपने तालाब को पी नहीं डालता।
66. मैं दिल्ली जानेवाले सौ लोगों से मिला, हर एक मेरा भाई।
67. सांप कहो या श्रीमान सांप कहो, वह तुम्हें काट लेगा।
68. जीवन पुल है, इसे पार करो; पर इस पर घर न बनाओ।
69. मेहराब कभी सोती नहीं।

70. बच्चे के बिना घर, जैसे कब्र।
71. हाथी कभी अपनी सूंड़ उठाने से थकता नहीं।
72. सुबह होने पर, जुगनू कहते हैं 'हमने दुनिया में उजाला फैलाया।'
73. जब लोग अपने रास्ते पर चलते हैं, किस्मत उनके साथ जाती है।
74. नौजवान कौआ अपनी मां से ज़्यादा बुद्धिमान होता है।
75. धोबी कभी अपने बाप के कपड़े नहीं फाड़ता।
76. जो तुम जानते हो वह तुम्हारी हथेली जितना बड़ा है, जो तुम नहीं जानते ब्रह्मांड जितना बड़ा है।
77. रामेश्वरम् में आग, सोमेश्वरम् में दमकल।
78. वकील और वेश्या को फ़ीस पहले दी जाती है।
79. यदि किसी की मां पागल हो जाए, देखने के लिए अच्छा तमाशा।
80. बीवी अभी है नहीं और बच्चे का नाम रख लिया सोमलिंगम्!
81. जो भगवान भांग खाए हुए हो, उसका पुजारी शराबी होना चाहिए।
82. भगवान वरदान दे सकते हैं, पर पुजारी नहीं।
83. दान में मिले कपड़े की नाप-जोख घर के पिछवाड़े में जाकर करो।
84. चार आने का मुर्गा और बारह आने का मसाला।
85. वेद गलत हो सकते हैं पर कहावतें नहीं।
86. गणेश की मूर्ति बनाने चले बन गया शिवलिंग।
87. जब दांत थे तब बादाम नहीं, अब दांत नहीं तो बादाम मिले।
88. खंडहर हो गए गांव में बचा, उसका मुखिया।
89. पिछवाड़े लगा पौधा, दवा के लिए काम का नहीं।
90. पागल विधवा की शादी में, चालाक आदमी को ही खाना मिलता है।
91. फूलों को बांधनेवाली रस्सी भी स्वर्ग जाती है।
92. लंका जाने वाला, रावण।

93. जब तुम चट्टान पर कुत्ते की शक्ल देखते हो तो चट्टान नहीं दिखती, जब तुम चट्टान देखते हो तो कुत्ते की शक्ल नहीं दिखती।
94. जब तांगा दिखाई देता है, तुम्हारे पैरों मे दर्द होने लगता है।
95. खुदा मेहरबान तो गधा पहलवान।
96. जो तुम दे देते हो वह तुम्हारा, जो तुम छिपा कर रखते हो वह दूसरों का।
97. जान लो कितने धान में कितना चावल।
98. जब लक्ष्मी वरदान देने आए, पहले मुंह धोने बाहर मत जाओ।
99. मरने से पहले स्वर्ग नहीं।
100. दूर की रिश्तेदारी का चाचा, न होने से बेहतर।
101. विभिन्न संत, विभिन्न विचार।
102. जो सीखना चाहते हो, बचपन में सीखो।
103. रामेश्वरम् जाने के बावजूद, शनि की परेशानी बरकरार।
104. रोगी दूध पीना चाहता है, और डॉक्टर दूध पीने की सलाह देता है।
105. सिर सलामत तो पगड़ी हज़ार।
106. मुझे न्यौते की ज़रूरत नहीं, दूल्हा मेरा भानजा है।
107. हज़ार झूठ बोलो, पर किसी की शादी करा दो।
108. शरीर पर तेल लगाते समय सिर को मत भूलो।
109. पूरा भरा बर्तन शोर नहीं करता।
110. तुम्हारा प्यार, तुम्हारा प्यार; मेरा प्यार, एक लफड़ा।
111. एक गांव, एक सुंदरी।

आख़िरी बात

इस किताब से गुज़रने के बाद, आदर्श रूप से लगभग 1000 बार खोलने के बाद पाठक को काफ़ी बुद्धि, सूचनाएं, अंतर्दृष्टि और आनंद मिला होगा। बाइबिल में कहावतों का अध्याय है, लेकिन इसके अलावा उसमें और भी बहुत से अध्याय हैं। कहावतों के अलावा और अध्यायों की ज़रूरत क्यों पड़ी? सच है कि कहावतों में बहुत अधिक ज्ञान होता है, पर इनके बावजूद मनुष्य को लंबा जीवन जीना होता है। वेद भी झूठे हो सकते हैं, कहावतें भी नाकाफ़ी हो सकती हैं। परत-दर-परत उभरता मानव जीवन नए से नए सत्य लाता रहता है, लाता रहेगा। तो कहावतों का क्या करें? कहावतों को हल्का-फुल्का न समझें, मगर इनको बहुत अधिक वज़न भी न दें!